

ग्रसा**चार** (१

EXTRAORDINARY

भाग II--- लण्ड 3--- उपलण्ड (I)

PART II-Section 3-Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 166]

नई दिल्ली, शनिवार, सिनम्बर 26, 1970/मादिवन 4, 1892

No. 166]]

NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 26, 1970/ASVINA 4, 1892

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF LAW

(Department of Legal Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 26th September 1970

G.S.R. 1720.—In exercise of the powers conferred by Explanation 1 to section 44A of the Code of Civil Procedure, 1908 (5 of 1908), the Central Government hereby declares, with effect on and from the 26th September, 1970, the Territory of Papua and New Guinea to be reciprocating territory for the purposes of the said section and specifies the Supreme Court of the Territory of Papua and New Guinea as a superior Court with reference to such territory.

[No. F. 12(2)/70-J.]

A. S. CHAUDHRI, Jt. Secy.

विधि मंत्रालय

(विधिक।र्यविभाग)

द्मश्रिस् चना

नई दिल्ली, 26 मितम्बर, 1970

सा० का० नि० 1720.—सिविल प्रिक्रिया संहिता, 1908 (1908 का 5) की धारा 44 क के स्पष्टीकरएा-1 द्वारा प्रकत्त मिनियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए टैरिटरी धाक पतुर्थों प्रौर त्यू गिनी को 26 सितम्बर, 1970 की भ्रोर से व्यतिकारी राज्यक्षेत्र होने के लिए घोषित करती है भ्रौर टैरिटरी भ्राफ पतुष्ठा भ्रौर त्यू गिनी की सुप्रीम कोर्ट को ऐसे राज्यक्षेत्र के प्रति निरंश से वरिष्ट त्यायालय के रूप में विनिधिष्ट करती है।

[सं० फा० 12(2)/70-जे] ए०एस० चौधरी, संयुक्त सिच्चि ।